



BPR&D CORRECTIONAL SERVICES BULLETIN

Vol.- V (January to March 2025)



BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT
"Promoting Good Practices and Standards"

Capacity Building

During the year 2024-25 (From January to March 2025) BPR&D sponsored 09 Prison Training Courses conducted by States in which 201 Participants trained.

The glimpses of the courses are as under:

Karnataka



Karnataka Prison Department conducted Prison Training Course on Sensitization of Prison Officials on New Criminal Laws from 29-31, January 2025 at Prison Training Institute, Mysore. A Total of 20 officials/ Staff attended the course

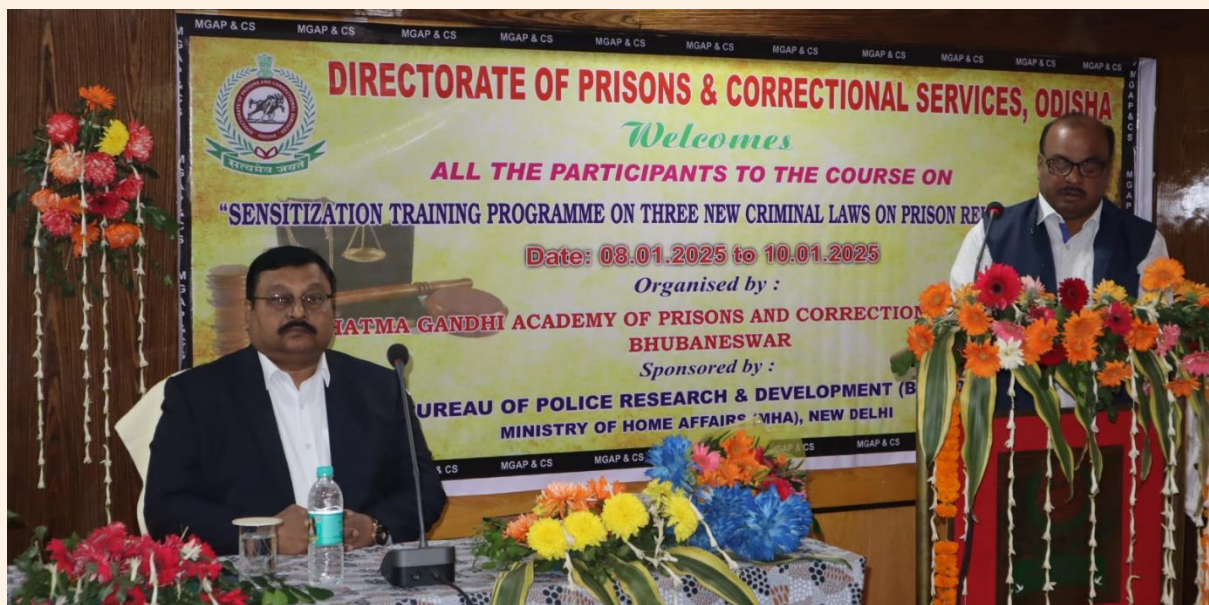


Karnataka Prison Department conducted Prison Training Course on Sensitization of Prison Officials on New Criminal Laws 04-06, February 2025 at Prison Training Institute, Mysore. A Total of 20 officials/ Staff attended the course.



Karnataka Prison Department conducted Prison Training Course on Sensitization of Prison Officials on New Criminal Laws from 11-13, February 2025 at Prison Training Institute, Mysore. A Total of 20 officials Staff attended the course.

Odisha



Odisha Prison Department conducted Prison Training Course on Sensitization of Prison Officials on New Criminal Laws from 08-10 January, 2025 at Mahatma Gandhi Academy of Prison & Correctional Services, Bhubaneswar. A Total of 20 officials/Staff participated in the course.



Odisha Prison Department conducted Prison Training Course on Sensitization of Prison Officials on New Criminal Laws from 15-17 January, 2025 at Mahatma Gandhi Academy of Prison & Correctional Services, Bhubaneswar. A Total of 20 officials/ Staff participated in the course.



Odisha Prison Department conducted Prison Training Course on Sensitization of Prison Officials on New Criminal Laws from 19-21 February, 2025 at Mahatma Gandhi Academy of Prison & Correctional Services, Bhubaneswar. A Total of 20 officials/ Staff participated in the course.

Rashtriya Raksha University, Pasighat, Arunachal Pradesh



Visit of trainees Village of Pasighat, Arunachal Pradesh



Arunachal Pradesh Prison Department conducted 03 Prison Training Course on Sensitization of Prison Officials on New Criminal Laws from 03-07 March, 2025 (Offline), 10-12 March, 2025 and 17-19 March 2025 (Online) at Rashtriya Raksha University, Pasighat. A Total of 27, 30 & 25 officials/ Staff participated in the course respectively.

Activities in Prisons

Bihar



महिला बंदियों को दिया जा रहा सिलाई का प्रशिक्षण

बिलासरीफ. महिला बंदियों की किस्मत संवरने वाली है. उन्हें आत्मनिर्भर बनाने को लेकर सरकारी व गैस सरकारी स्तर पर कई योजनाये चलायी जा रही है. इसी के तहत बिहारशरीफ मंडल कारा में बंद महिला बंदियों में से तीस को सिलाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है. जिला प्रशासन के निर्देशन में व जेल प्रशासन के देखरेख में इसकी इस प्रशिक्षण की शुरूआत बुधवार से की गयी. इसके लिए इनर व्हील क्लब का चयन किया गया है. विभिन्न अपराधों के आरोप में जेल में बंद महिला बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने व उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने की इस मुहिम में इस तरह के सकायात्मक प्रयास किये जा रहे हैं. भविष्य में जेल से बाहर आने के बाद वह किसी की मोहताज नहीं रहें. वह अपनी हुनर के बल के पर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में खुद को मजबूत पायेंगी. बुधवार को बिहारशरीफ कारा परिसर में प्रारंभ हुए इस प्रशिक्षण में इनर व्हील द्वारा महिला प्रशिक्षक मुहैया कराया गया है. करीब

एक माह तक चलने वाले इस विशेष प्रशिक्षण में महिला परिधान से संबंधित विभिन्न पोशाकों की सिलाई व उनकी बनावट से संबंधित प्रशिक्षण दिये जा रहे हैं. इनर व्हील की अध्यक्ष रूखि सिन्हा ने टेलीफोन पर बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त सभी महिला बंदियों को क्लब की ओर से सर्टिफिकेट दिये जायेंगे. इसके अलावे प्रशिक्षण के दौरान बढ़िया करने वाली महिला बंदियों का चयन कर उन्हें जॉब ऑफर भी किया जा सकता है. जेल परिसर में बनाया गया वाटिका, किया गया पौधारोपण बुधवार को बिहारशरीफ मंडल कारा में एक गैर सरकारी संस्था द्वारा वाटिका बनाया गया है, जिसमें विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गये हैं. इसके अलावे संबंधित संस्था द्वारा करीब 150 विभिन्न नस्लों के पौधे रोपे गये हैं. पौधों की देखभाल जेल प्रशासन के अधीनस्थ होगा. जानकारी के अनुसार कारा परिसर के बाहर भी पौधारोपण किया जायेगा. जिसमें विभिन्न प्रजातियों के करीब तीन सौ पौधे लगाये जायेंगे.

Bihar Prison Department operates under the legal framework of Bihar Prison Manual, 2012 and focusing on education, skill development, health, educational emotional well-being and societal reintegration.

Delhi



Delhi Prison had organized Inter-Force Sports Event 2025 from 7th March to 10th March, 2025. The participating team were Delhi Prison, Tamilnadu Special Police, Indo-Tibbet Border Police & Central Reserve Police Force. Delhi Prison had organized a refresher Course for 88 newly promoted Assistant Superintendent, in the month of February 2025.

Leh, Ladakh



Plantation Drive by the students of Government Degree College Leh on 17.03.2025.

Nagaland Prison Department



A petrol pump **M/S Ummeed Prison Welfare Service Station** (a Retail Outlet of IOCL) at District Jail Dimapur, Nagaland was inaugurated on 28.01.25 by Er. Kropol Vitsu, Hon'ble Advisor, Prisons, Printing & Stationery, Government of Nagaland in the presence of Shri. Rupin Sharma, IPS, Director General of Police, Shri. Renchamo P. Kikon, IPS, Director General of Prisons, H/G & CD, SDRF, Nagaland, Kohima.



Nagaland State Aids Control Society (NACO) conducted a training of the **Medical & Para Medical Staff under Project SSHAKTI (Prison & OCS Intervention)** at Prison Headquarter on the 18th & 19th of March, 2025. The training was to introduce participants with Prison and OCS Intervention under Project SSHAKTI to build technical knowledge and collaborative skills for supporting intervention in assigned geographies and to share information on HIV, ART and Supportive care services and package of Prison Intervention Project. Approx 40 staff attended the said training.

Central Jail Bikaner, Rajasthan

जेल की चौपाल... यहां न कोई कैदी, न अधिकारी, बस विचारों का महत्व



पत्रिका
एक्सक्लूसिव

परिवार-समाज से लेकर
होती है देश-दुनिया के
मसलों की चर्चा



जयप्रकाश महलौत
patrika.com

बीकानेर. बीकानेर केन्द्रीय कारागार में अनीला और मानवीय प्रयोग बंदियों की सोच, जीवन को नई दिशा दे रहा है। जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल के नेतृत्व और जेल महानिदेशक गोविंद

गुप्ता के निर्देशन में 'जेल चौपाल' नामक नवाचार ने बंदियों की दुनिया बदल दी है। अब कारागार सिर्फ एक सजा भुगतने की जगह नहीं, बल्कि आत्ममंथन, सुधार और पुनर्निर्माण का केंद्र बन रहा है। 'जेल चौपाल' न सिर्फ बीकानेर जेल का चेहरा बदल रही है, बल्कि यह साबित कर रही है कि अगर इच्छा हो, तो सजा की भी सुधार और नई शुरुआत का जरिया बनाया जा सकता है।

**चौपाल: परिवार जैसा
माहौल, खुलकर संवाद**

हर सप्ताह लगने वाली इस जेल चौपाल में बंदी एक पारिवारिक



जेल में चल रही चौपाल का दृश्य।

माहौल में जुड़ते हैं। अधीक्षक सुमन मालीवाल और कारापाल सूरज सोनी की मौजूदगी में आयोजित होने वाली चौपालों में 250 से 300 बंदी शामिल होते हैं। यहां वे अपने व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करते हैं। सिर्फ अपनी समस्याएं ही नहीं, वे देश की स्थिति और

सामाजिक बदलावों पर भी चिंतन करते हैं। बंदियों के चुनिंदा और बेहतर मुद्दों को जेल मुख्यालय भी

भिजवाया जा रहा है।

निरक्षरों के लिए शिक्षा अभियान: इस नवाचार का एक और उद्देश्य है शिक्षा। जो बंदी पूरी तरह निरक्षर हैं, उन्हें शिक्षा से जोड़ने के

लिए शिक्षा विभाग की मदद ली जा रही है। इसका उद्देश्य न सिर्फ उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाना है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाना भी है।

**पारदर्शिता और भागीदारी
से मिली नई पहचान**

यह प्रयोग राजस्थान में अपनी तरह का पहला है, जिससे जेल की आंतरिक व्यवस्था भी अधिक पारदर्शी और मजबूत बनी है। जेल चौपाल की जिम्मेदारी कारापाल सूरज सोनी, उपकारापाल सुभाष चन्द और मुख्य प्रहरी दल को सौंपी गई है। यह नवाचार प्रदेश में जेल सुधारों के क्षेत्र में एक मील का पथर साबित हो रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बंदी ने जेल में बनाई तेजस की शानदार प्रतिकृति

बीकानेर @ पत्रिका. भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर देशवासियों की गर्व है। इसी गर्व की अनुभूति केन्द्रीय कारागार बीकानेर के बंदियों में देखने को मिली। जेल में बंदी नौरंगलाल नायक ने फाइटिंग जेट तेजस की प्रतिकृति तैयार की। इस पर ऑपरेशन सिंदूर भी लिखा है। जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल ने बताया कि भारतीय सेना की कार्यवाही से बंदियों में भी देशभक्ति की भावना बढ़ी है। 7 से 11 मई के बीच पाकिस्तान से संघर्ष के समय भी बंदियों ने आपात स्थिति में रक्तदान



और बड़ी संख्या में भोजने के पैकेट तैयार कर सैनिकों को भेजने के लिए अपनी प्रतिभामूर्त दिखाई दी।

News Story of "Jail Chaupal" organised by Central Jail Bikaner

Central Prison, Etawah, Uttar Pradesh



सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण



सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण



सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण



सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण

Educational empowerment for lifelong learning and Vocational Training for Skill Development training programme organised at Central Prison Etawah. The training programme includes dancing, art and craft and performing Ram-Leela act etc.

Ghaziabad District Prison, Uttar Pradesh



The district jail Ghaziabad is committed to fulfil the core objectives of prison administration and reforms. To foster the holistic development of inmates, the jail offers a diverse range of reformatory activities including **A. skill development initiatives-** Carpentry, Painting, Embroidery, Pottery, candle making, Horticulture, Nursery management & plant care, Art & Craft, Music, dance and drama, Computer Literacy, Sewing and Tailoring. **B. Educational Programs-** Study programs with collaborations with IGNOU, Adult Literacy Initiatives, prison digital library which have around 9000 books, jail radio **C. Wellness and Spiritual activities-** Yoga and Meditation, indoor and outdoor Gym facility, morning Prayer, Worship, Bhajans and running of 'wall of Humanity' Legal Aid and Awareness. By providing these activities the jail aims to promote mental peace, motivation, skilfulness and empowerment among inmates which ultimately preparing them for successful reintegration into society.

Sitapur Jail, Uttar Pradesh



1. Shiv Nadar Foundation is making illiterate prisoners in jail literate under Shiksha Plus Jail program so that after being released from jail, they can join the mainstream of society and contribute in the national interest.
2. A carpet industry is established in District Jail Sitapur, in which Yoga carpets and Bandi carpets are made by prisoners. The carpets are used for prisoners in District Jail, Sitapur and are also sent to other jails for prisoners.
3. On the occasion of completion of eight years of the State Government's policy of "Service, Security and Good Governance", a three-day program was organized at the district headquarters level, in which the schemes run by various departments of the district were showcased by setting up stalls. In which District Jail Sitapur also set up its stall in which products made by prisoners lodged in the jail like earthen pots, earthen cups, mats, chandeliers made by women prisoners, incense sticks/agarbatti made by drying flowers and making powder, incense sticks/agarbatti made from cow dung etc. were displayed. In which the stall of District Jail Sitapur got second place and was awarded a certificate.
